الـقــتــل ُ.. في عـهــد الطــوارئ

البلاغ
www.balagh.com

في مـصــرَ .. في عـصـر ِ, الـطـوارئ ْ..

نـشـروا .. الـمـفـاسـدَ , والـمـساوئ ْ..

بـِعــصــابـة ٍ.. وبـــِنـصـف ِ, قــرن ٍ

قــد دمــّـَـروا .. كــلّـَ , الـمــبــــادئ ْ..

تـاريـخ ُ, قــتــلانــا .. الـمـجـيـدُ

وسِجلّهُ .. في القتلِ, خاسِئ ْ..

عهدُ, اغتيالٍ .. والضحايا

بِدمائهم .. صعدوا , لِبارئ ْ..

والقتلُ .. في مصرَ, الطوارئ ْ..

يجري .. كأمواجِ, الشواطئ ْ..

والذبحُ .. يَحدثُ, كلّ َ يومٍ

والصمتُ , في ذلّ ٍ .. يُكافئ ْ ..

طوفانُ, طغيانٍ .. مُميتٍ

بالموتِ .. واجتاحَ, الموانئ ْ..

إعصارُ, إجرامٍ .. شديدٍ

غَمرَ الدماءَ .. على المرافئ ْ..

جُثثٌ .. بأعدادِ, الرمالِ

ذُبحتْ .. ومِن كهْلٍ ,, لِناشئْ ..

وجماجمُ, الأشلاءِ .. تَهوي

إن نامَ موجٌ .. ناحَ, شاطئْ ..

في البحر, تحت الصخرِ,, حرقاً

وقِطارُ , فرْمِ, الدهْسِ .. واطِئْ ..

شنقاً , بِسجنٍ,, أو بِقِسمٍ

سيّانُ .. كلُّ البطشِ, جازئْ ..

سجنوا النضالَ .. مع الجهادِ

رُعْبٌ .. لِجوِّ الأرضِ, مالئْ ..

خطْفٌ , وهتكٌ ,, واغتصابٌ

عدد الخطىَ .. فوق المواطئْ ..

كمْ جرّمَوا .. رفضَ البريءِ

كـمْ بـــرّ َأوا .. كـــَمْ ألـف خـاطـــئ ْ؟؟

والـحـزن ُ.. لـلـــقـلـبِ , الـجـسور ِ

والـفـــرح ُ.. لـلـكـــلـب ِ, الـمـُمـالـئ ْ..

سـرقـوا الـكـنـوز َ, وصـدّ َروهـا

وتـقـــاســـمـوا .. درر َ, الـــلآلـــئ ْ..

و رَشـوا .. مـُعـــارضـــة َ, الـبـــلاد ِ

بـِتواطـــؤ ٍ .. والـجـيـبُ , دافـئ ْ..

وسـبـــاقُ سـلـْب ٍ .. عـــبـْر نـهـْـب ٍ

والـقحـط ُ , بـالحـرمـان ِ.. صـــابئ ْ..

لـــيمـوت َ , نصـفُ الشعب ِ.. جوعـا ً

ويموت َ.. باقي الـشعـب ِ.. ظـامـئ ْ..

بـطـش ٌ, وأمـــراض ٌ ,, و ذُعـــر ٌ

والـشـعـبُ .. صـار الـيـومَ , لاجـئ ْ..

مـِن كـلّ ِ سـُـم ٍّ .. أورثـوهـم ْ

ورَمـاً .. من الـسـرطـان , نـاتـئ ْ ؟؟

وعـقـارب ٌ , الأنـذال ِ, لـدغـا ً

لـجـرائـم , الأفـعـى َ.. تـُواطـِئ ْ..

والـحـرّ ُ .. في ضـنـك ِ, الـشـقـاء ِ

والـلـصّ ُ.. وسـط الـمـال ِ, هـانئ ْ..

حـُكـم ٌ .. يـُحـرّ ِكـه ُ, الـطـغـاة ُ

بـالـجـيـش .. مـِن وكـْر ِ, الـمـخـابئ ْ..

صـاروا .. جـبـابـرة َ, الـسـجـون ِ

مـلأوا , الـمـعـاقـل َ,, والـمـلاجـئ ْ..

بـالإنـبـطـاح ِ.. إلـى الأعـادي

ركـــعـــوا .. لـــِمـُحـــتـــل ٍّ , مـــُنـــاوئ ْ..

و الـظـُلـمُ .. لـلـشـعـبِ الـسـجـين ِ

بِـالـقـَمـع ِ, والإرهـــاب ِ.. بـــادئ ْ..

قـادوا الـشـعـــوبَ .. إلى الفـــَنـــاء ِ

وفـجـور ُ, صـوتِ الـكـُفـْر ِ.. هـــادئ ْ..

والـكـون ُ.. لـلـتـقـتـيـل ِ, يـُحـصـي

والـجـهـْل ُ.. لـلـتـــدمـــيـــر ِ, قـــارئ ْ..

فـــقـــر ٌ , وقـهـــر ٌ,, وانـهـــيـــار ٌ

والـشـعـب ُ.. في المـــأســـاة ِ.. هـــازئ ْ..

ســحـل ٌ , وقـــتـــل ٌ ,, واغـــتـــيـــال ٌ

والـكـلّ ُ , يـلـهـو .. غـيـر عـــابـئ ْ...

قـم ْ, يابنَ مـصـر َ.. الآن , وانهـضْ

أســـرع ْ.. فـإنّ َ الـظـــرف َ, طـــارئ ْ..

بـدأ الـطـغـــاة ُ.. حـــريـــق َ, مـِصـــر َ

والـــنـــار ُ.. إشـــعـــال ُ, الـــمـــطـــافـئ ْ..

قد قـرروا .. تدمـــيـــر َ, مـــصـــر َ

لـــتـــكون .. مـِن حـطـب ِ, الـمـدافـئ ْ..

وخـــضـــوع ُ.. حـــُكـم ِ, الإنـبـطـــاح ِ

لأوامـــــر , الأعـــــــداء ِ .. وامـــــئ ْ..

فـاحـــذرْ أخـــي .. غـــدرَ الـطـغـاة ِ

مـِن بطـش ِ..عـربـيـد ٍ , ودانـئ ْ..

فـقـرار ُ, ذبحـِك َ.. بعد قـتـلـي

بمـسـلـسـل ِ, الـغـدر ِ.. الـمـُفـاجـئ ْ..

أدرك ْ, بـلاد َك َ.. يـابـنَ مـــِصـــرَ

وانـقـذ ْ.. مـصـيـرَك , لا تـُبـاطـئ ْ..

والــشـعـبُ , بـُركـــان ٌ.. يـــثـــور ُ

طـــوفـــان ُ, زلـــزال ٍ.. مـــُـبـــادِئ ْ ...